संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

28th October, 2024

DO No. 44/News Letter/CH(IC)/2024

Dear Colleague,

During the कर्मयोगी सप्ताह/National Learning Week, CBIC has launched the nationwide rollout of a Behavioral Sensitization Program, representing a significant step toward enhancing the skills and sensitivity of its workforce. This initiative aligns with the philosophy of Mission *Karmayogi* – "*Atmano mokshartham jagat hitaya cha*" which translates to 'for one's own liberation and for the well-being of the world'. By prioritizing behavioral skills and sensitivity, CBIC reaffirms its commitment to professional development and the broader vision of improved governance and service delivery. This program, inaugurated with 52 batches across all 32 zones, is set to train more than 35,000 executive officials upto the level of Deputy Commissioner. The program has been designed to ensure a comprehensive approach to fostering empathy, responsiveness, and a service-oriented mindset among CBIC personnel. It goes without saying that the collaboration between NACIN Zonal Training Institutes (ZTIs) and all CBIC zones will be crucial for the program's success and timely completion by December this year.

Adding to CBIC's advancements in capacity building, a six-week WCO Regional Customs Laboratory Professionals Programme was inaugurated last week at the Central Revenues Control Laboratory (CRCL), New Delhi. This specialized programme, organized in collaboration with the World Customs Organization (WCO), seeks to enhance the technical skills of customs laboratory professionals from WCO member countries and reinforces India's role in global fora for excellence in customs administration.

As part of the ongoing Special Campaign 4.0 and in line with ongoing efforts to combat the illegal importation of contraband goods, the Delhi Customs

North Block, New Delhi - 110 001 Tel. : +91-11-23092849, 23092890 E-mail : sanjayk.agarwal@gov.in

(Preventive) Commissionerate and the Customs (Airport and General) Commissionerate jointly carried out a large-scale destruction operation. This operation involved the disposal of approximately 49 lakh foreign-origin cigarettes, around 73 Kgs of NDPS drugs (including Heroin, Cocaine, Ganja, etc.), as well as Gutkha, Pan Masala, and e-cigarettes, all of which were seized under various Acts. With an estimated value of Rs. 460 crore, these goods were destroyed at a waste management facility in Delhi in a safe and environmentally responsible manner.

In a recent anti-evasion operation, DGGI Lucknow Zonal Unit, acting on specific intelligence, unearthed a big case of clandestine manufacture and supply of Pan Masala and Tobacco in Kanpur, having tax implication of about Rs 12 crore so far. The officials acted in a coordinated manner to conduct searches at the residential premises of the brand owner, director, key distributor, dealers, cash handler, and factory sites resulting in the seizure of evidence of unaccounted supplies along with a live consignment of clandestinely cleared goods. Upon confrontation, the directors of the firm admitted to the clandestine clearances and voluntarily deposited Rs 10 crore in cash via DRC-03 toward their tax liability. The swift action by the investigating officers is indeed admirable!

Until next week!

Yours sincerely,

(Sanjay Kumar Agarwal)

All Officers and Staff of the Central Board of Indirect Taxes & Customs.

संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

28 अक्टूबर, 2024

DO No. 44/News Letter/CH(IC)/2024

प्रिय सहकर्मी ,

कर्मयोगी सप्ताह / राष्ट्रीय लर्निंग वीक के दौरान, CBIC ने एक व्यवहारिक संवेदनशीलता कार्यक्रम (Behavioral Sensitization Program) का देशव्यापी शुभारंभ किया है, जो अपने कर्मचारियों के कौशल और संवेदनशीलता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल मिशन कर्मयोगी के सिद्धांत - "*आत्मनो मोक्षार्थम जगत हिताय च*' के अनुरूप है, जिसका अर्थ है '*स्वयं की स्वतंत्रता और संसार का कल्याण*'। यह पहल व्यवहारिक कौशल और संवेदनशीलता को प्राथमिकता देकर, CBIC द्वारा अपने कर्मचारियों के प्रोफेशनल विकास और बेहतर शासन तथा सेवा प्रदान करने के व्यापक दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन देश के सभी 32 जोनों में 52 बैचों के साथ किया गया है और इसका लक्ष्य डिप्टी कमिश्नर स्तर तक के 35,000 से अधिक कार्यकारी अधिकारियों को प्रशिक्षित करना है। इस कार्यक्रम को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है जिससे CBIC कर्मियों के बीच सहानुभूति, उत्तरदायित्व और सेवा-उन्मुख मानसिकता को बढ़ावा दिया जा सके। NACIN जोनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स (ZTIs) और CBIC जोनों के बीच सहयोग इस कार्यक्रम की सफलता और इसी वर्ष दिसंबर तक इसके समय पर पूर्ण होने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

CBIC द्वारा क्षमता निर्माण की ओर कदम बढ़ाते हुए, पिछले सप्ताह नई दिल्ली में केंद्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला (CRCL) में छह-सप्ताह का WCO रीजनल कस्टम्स लेबोरेटरी प्रोफेशनल्स प्रोग्राम शुरू किया गया। इस विशेष कार्यक्रम को विश्व सीमा शुल्क संगठन (WCO) के सहयोग से आयोजित किया गया है और इसका उद्देश्य WCO सदस्य देशों के सीमा शुल्क प्रयोगशाला प्रोफेशनल्स के तकनीकी कौशल को बढ़ाना है

चल रहे स्पेशल कैंपेन 4.0 के अंतर्गत और प्रतिबंधित वस्तुओं के अवैध आयात से निपटने के लिए चल रहे प्रयासों के अनुरूप, दिल्ली कस्टम्स (प्रिवेंटिव) आयुक्तालय और कस्टम्स (एयरपोर्ट एवं सामान्य) आयुक्तालय ने संयुक्त रूप से एक बड़े पैमाने पर डिस्ट्रक्शन ऑपरेशन चलाया। इस अभियान में लगभग 49

North Block, New Delhi - 110 001 Tel. : +91-11-23092849, 23092890 E-mail : sanjayk.agarwal@gov.in

लाख विदेशी सिगरेट, लगभग 73 किलो एनडीपीएस ड्रग्स (जैसे हेरोइन, कोकीन, गांजा, आदि), साथ ही गुटखा, पान मसाला और ई-सिगरेट को नष्ट किया गया, जिन्हें विभिन्न अधिनियमों के तहत जब्त किया गया था। लगभग 460 करोड़ रुपये मूल्य की इन वस्तुओं को दिल्ली के एक वेस्ट मैनेजमेंट फैसिलिटी के अंतर्गत सुरक्षित और पर्यावरणीय रूप से एक जिम्मेदार तरीके से नष्ट किया गया।

एक हल ही में किए गए एंटी-एवेज़न ऑपरेशन में, DGGI लखनऊ ज़ोनल यूनिट ने विशिष्ट जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, कानपुर में पान मसाला और तंबाकू के अवैध निर्माण और सप्लाई का एक बड़ा मामला सामने आया, जिसमें अब तक लगभग 12 करोड़ रुपये का कर उजागर हुआ है। अधिकारियों ने ब्रांड मालिक, निदेशक, प्रमुख डिस्ट्रीब्यूटर, डीलर, कैश हैंडलर और फैक्ट्री स्थलों पर छापेमारी करते हुए अनकाउन्टिड सप्लाई के सबूत और अवैध रूप से सामान हस्तांतरण के एक लाइव कन्साइनमेंट को जब्त किया। पूछताछ पर, फर्म के निदेशकों ने अवैध रूप से सामान हस्तांतरण की बात स्वीकार की और अपनी कर देयता के तहत DRC-03 के माध्यम से 10 करोड़ रुपये नकद जमा किए। जांच अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई वास्तव में सराहनीय है!

अगले सप्ताह तक !

भवदीय,

संजय कुमार

(संजय कुमार अग्रवाल)

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण ।